प्रश्न-1)

1. ~~एक~~ गीत कविता के समरूप को माना गया है -

अ) पतिशार (ब) भयानक (स) परिवर्तनशील (द) तीव

2. लेखक ने बाजार दर्शन पाठ में चूरन वाले को आधिकारिक कहा है।

(अ) आर्थहीन (ब) व्यापारी (स) भिखारी (द) रामचंद्रिका

3. द्विवेदी युग के निबंधकार हैं -
(क) कामायनी (ख) प्रियप्रवास (ग) कविताकली (घ) रामचंद्र मिश्र

4. भारतेन्दु युग के निबंधकार थे -
(क) हजारीप्रसाद द्विवेदी (ख) प्रतापनारायण मिश्र
(ग) रामचन्द्र शुक्ल (घ) निशानिवास जी

5. मुअनजो-दड़ो में कुएँ थे।
(अ) लगभग 200 (ब) लगभग 700 (स) लगभग 500 (द) लगभग 800

Scanned with CamScanner

6. सम्पादन के तत्वों में वस्तुपरकता का अर्थ है

(अ) सत्यता (ब) काल्पनिकता (स) प्रामाणिकता (द) अनुक्रम

प्र० २. १. आनंद माधव का पूरा नाम आनंदराम माधव है।
२. बीभत्स रस का स्थायी भाव जुगुप्सा है।
३. पत्रकारिता का मूल तत्व जिज्ञासा है।
४. हिन्दी निबंध का आरंभ भारतेन्दु युग से माना जाता है।
५. रात्रि की भीषणता को पहलवान की ढोलक ललकारती थी।
६. लेखक ने कल्पातीत जगत की वस्तु उदारता को माना है।
७. दिन जल्दी-जल्दी ढलता है कविता में दिन का पंथी स्वयं को माना गया है।

प्र०3.

1. बात सीधी थी पर — ओम थानवी (6)
2. पहलवान की ढोलक — मुँह की खाना (5)
3. कहानी — हरिवंश राय बच्चन
4. सिल्वर वैडिंग — कुँवर नारायण (1)
5. बुरी तरह हारना — मुँह ताकते रहना
6. 'अतीत में दबे पाँव' — मनोहर श्याम जोशी (4)
देशकाल वातावरण (3)

Scanned with CamScanner

प्र. 4

1 कैमरे में बंद अपाहिज कविता दूरदर्शन वालों पर व्यंग है। ✓

2. नाटक का प्राण तत्व संवाद को कहा जाता है। ✓

3. भक्तिन सत्यवादी हरिशचन्द्र नहीं बन सकी। ✓

4. जिसका कोई शत्रु नहीं होता उसे अजातशत्रु कहते हैं। ✗

5. सिंधु घाटी सभ्यता में कपास पैदा होती थी। ✓

6. रामधारीसिंह दिनकर प्रयोगवाद के जनक माने जाते हैं। ✗

Scanned with CamScanner

प्र.८.

1 रेखाचित्र अंग्रेजी के किस शब्द का हिन्दी अनुवाद है।

2. वर्ण किसे कहते हैं?

3. मैं शैली का प्रयोग किस प्रकार के लेखन में किया जाता है।

4. जब सतजी लेकर यशोधर बाबू घर पहुँचे तो उनकी दशा कैसी थी।

5. महादेवी वर्मा जी ने भक्तिन का नामकरण क्या देखकर किया।

6 प्रात: कालीन नीला आकाश किस के जैसा बताया गया है।

7. दिन जल्दी-जल्दी ढलता है। कविता में आने की हगणा और
और निराशा।

प्र. 6. भाषा को सहुलियत से बरतने का अभिप्राय है उद्देश्य को उत्कृष्ट और श्रेष्ठ साबित करने के लिए बनावटी, मुहावरेदार, कठिन शब्दावली तरीके से तालमेल करते हुए जनमानस अनुरूप सरल, सहज व्यावहारिक शब्दावलियों का प्रयोग कर सभी के समझने योग्य बातचीत करें

प्र. 7
1 घोर अहंनिष्ठ व्यक्तिवाद - - प्रयोगवादी कविता के लेखक अपने अहंनिष्ठ व्यक्तिवाद की अभिव्यंजना करते हैं। ये आत्मविज्ञापन की आकांक्षा करते हैं।

Scanned with CamScanner

11. Q.

1. साधारण व्यक्ति - भक्तिन अधेड़ उम्र की महिला है। उसका कद छोटा व शरीर दुबला-पतला है। उसके होंठ पतले हैं। आँखें छोटी हैं।

2. कर्मठ - भक्तिन कर्मठ महिला है। ससुराल में वह बहुत मेहनत करती है। वह घर, खेत, पशुओं आदि का सारा कार्य अकेले करती है।

Scanned with CamScanner

क्र.१	कहानी	उपन्यास
1.	कहानी का आकार छोटा होता है।	उपन्यास का आकार बड़ा होता है।
2.	कहानी गद्य की कथात्मक विधा है।	उपन्यास आधुनिक युग की देन है।

Scanned with CamScanner

प्र. 10 सिंधु सभ्यता साधन सम्पन्न थी पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था क्योंकि इसकी खुदाई में जो प्रमाण सामने आए हैं। वे जीवन की आवश्यकता के अनुरूप सुनियोजित सड़कों, गलियों, का निर्माण सुनियोजित नगर के रूप में है। जल की व्यवस्था में भी कुएं व कुएँ, व्यवस्थित ढंग से गंदे पानी के मिलाने से बचाने के लिए ईंट की नालियाँ आदि सब एक सम्पन्न नगर की तरह बनी हुई थी

५. ११

१. भाषा को व्यावहारिक ज्ञान

२. शब्द स्मरण, नयापन

उ. 12

शांत रस - इसका स्थायी भाव निर्वेद या वैराग्य है जहाँ सांसारिक वस्तुओं से विरक्ति का वर्णन हो वहाँ शांत रस होता है।

Scanned with CamScanner

उदा०

सुन मन मूढ़। सिखावन मेरो।
हरि-पद विमुख लहो न काहू सुख सठ।
यह समझ सबेरों।

Scanned with CamScanner

प्र०-13 भ्रांतिमान अलंकार- जहाँ प्रस्तुत वस्तु को देखकर किसी विशेष समानता के कारण किसी दूसरी वस्तु का भ्रम हो जाये।

उदा० I. जान श्याम घनश्याम को, नाच उठे वनमोर

Scanned with CamScanner

(प्र. 15.) (i) संविधान द्वारा स्वीकृत पूरे राष्ट्र की सम्पर्क भाषा को राष्ट्रभाषा कहते हैं। जबकि राजभाषा उसे कहते हैं जो सरकारी कामकाज में प्रचलित होती है। (ii) राष्ट्रभाषा का प्रशासनिक उपयोग भी राजभाषा से अधिक होता है। राजभाषा किसी एक या अधिक राज्यों तक ही सीमित रहती है। जबकि राष्ट्रभाषा का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण राष्ट्र हो जाता है।

Scanned with CamScanner

15. 1. गाजर काटकर खरगोश को खिलाओ
2. यहाँ गाय का दूध मिलता है

16 - प्रश्न ·

प्र० - रचनाएँ - 1. दूसरा सप्तक 2. सीढ़ियों पर धूप में.

रघुवीर सहाय

भावपक्ष - कवि ने समकालीन समाज के मध्यवर्गीय जीवन का यथार्थ चित्रण प्रस्तुत किया है। उन्होंने आपने काव्य में मध्यवर्गीय जीवन के तनाव और विडम्बनाओं का वर्णन किया।

कलापक्ष -> रघुवीर सहाय जी की भाषा शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली है। जिसमें संस्कृति में तत्सम, तद्भव और विदेशी भाषाओं के शब्दों का भी समायोजन हुआ है।

साहित्य में स्थान - साहित्य में इनका सर्वोपरि स्थान है, इन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजा गया है। सहाय का सम्बंध उस पीढ़ी से था जो स्वतंत्रता के बाद काफी सारी आकाँक्षाओं के साथ पढ़ी-बढ़ी थी।

Scanned with CamScanner

महादेवी वर्मा

रचनाएँ - नीरजा, नीहार।

~~भावपक्ष~~ - भाषाशैली - महादेवी का सम्पूर्ण काव्य गीति-काव्य है। उनके गीति पा तो और रात्रि वातावरण का चित्रण किया है। महादेवी की भाषा शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली है।

साहित्य में स्थान - महादेवी जी को मँगलाप्रसाद पुरस्कार एवं भारत भारती पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। 1956 में पद्मभूषण एवं मरणोपरांत पद्म विभूषण उपाधि भारत सरकार द्वारा दी गई।

17

Scanned with CamScanner